वाट्सएप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 236 बुधवार 21 दिसम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर थिएटर फेस्टिवल में दिखे अभिनय के कई रंग

एंड गेम से मनोरंजक की शुरूआत, आधे-अधूरे ने उठाए कई सवाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

कला एवं संस्कृति विभाग, राजस्थान व जवाहर कला केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जयरंगम जयपुर थिएटर फेस्टिवल के तीसरे दिन मंगलवार को जीवन के कई रंग देखने को मिले। तीन नाटकों ने दर्शकों को खूब हंसाया, कभी रुलाया और पूरा मनोरंजन किया। ''एंड गेम'' मशहूर फ्रांसीसी लेखक सैमुअल बेकेट द्वारा लिखित नाटक है। कृष्णायन में पहुंचते ही हॉलीवुड फिल्मों सा दृश्य नजर आता है। हुक्मरानी औरत, एकांतिका को ऊलजलूल हुक्म देती है। हुक्मरानी ना चल सकती है और ना देख सकती है। हुक्मरानी के जिंदा मां-पिता पास-पास रखे ताबूतों में बंद हैं। नाटक में लॉकडाउन के माहौल जब मानवीय अनुभवों को बयां करने में भाषा असफल रही, अकेलापन, निर्भरता और टूटते रिश्ते से उपजे दर्द को जाहिर किया गया। नाटक कभी हंसाता है और कभी इसमें विवशता दिखती है। अंतहीन कहानियां सुनाने वाली हुक्मरानी अंत में मासूमियत और रिश्तों को जिंदा रखने का संदेश देने के साथ दुनिया को अलविदा कहती है।

20 विधायकों ने सदन में नहीं पूछा एक भी सवाल

अगला विधानसभा सत्र जनवरी से; सिर्फ 41 MLA ने 90 से ज्यादा सवाल लगाए

जयपुर. कासं

राजस्थान के विधायक एक सत्र में जनता की समस्याओं से जुड़े 100 सवाल पूछ सकते हैं। 15वीं विधानसभा के 7वें सत्र का 1 साल विवादों भरा रहा। विपक्ष भाजपा बार-बार सरकार पर गिरने के डर से सत्रावसान ही नहीं करने का आरोप लगाती रही। अब फिर जनवरी में बजट सत्र संभावित है। इस बीच पिछले 1 साल में 41 विधायक ऐसे भी रहे, जिन्होंने 90 से अधिक सवाल पूछे। उनमें 60% बीजेपी के हैं। सबसे अधिक 99 सवाल भी कांग्रेस के ही प्रतापगढ़ विधायक रामलाल मीणा ने पूछे। 7वें सत्र के लिए 168 विधायकों ने 8370 सवाल पूछे। विपक्ष का कहना है कि एक सत्र के लिए 10 हजार प्लस सवाल लगते आए हैं, लेकिन पिछले सत्र में सत्रावसान नहीं करने से विधायक बीच में सवाल नहीं लगा पाए। गौरतलब है कि पिछले 1 साल में बजट सत्र का सत्रावसान नहीं किया गया और दो बार संक्षिप्त सत्र रखा गया।

एक भी विधायक पूरे 100 सवाल नहीं लगा पाया

पिछले 7वें सत्र में 168 में से एक भी ऐसा विधायक नहीं रहा, जिसने पूरे 100 सवाल का कोटा पूरा किया हो। एक ही विधायक 99 तक पहुंच पाया। 96 से अधिक सवाल पूछने वाले 12 विधायक रहे। इनमें ज्यादातर बीजेपी के हैं। पिछली सरकार में नेता प्रतिपक्ष ने सवाल नहीं पूछे थे, लेकिन इस बार नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया आगे हैं। उन्होंने 7वें सत्र में 88 सवाल किए। इनके अलावा टॉप में रामलाल मीणा 99, सुमित गोदारा 98, इंद्रा बामनवास 98, रूपा राम मुरावतिया 97, छगन सिंह 97, संतोष 97, कालीचरण सराफ 97, बलवीरसिंह लूथरा 96, मंजीत धर्मपाल चौधरी 96, सतीश पूनियां 96, अभिनेष महर्षि 96, राजेंद्र राठौड़ 96 रहे हैं। विधायक अशोक बैरवा, जितेंद्रसिंह, जौहरीलाल मीणा, गोविंद सिंह डोटासरा, दानिश अबरार, दीपचंद, दीपेंद्रसिंह, नरेंद्र कुमार, परसराम मोरदिया, पृथ्वीराज, राजेंद्रसिंह बिधुरी, महादेवसिंह खंडेला, महेंद्र विश्नोई, रमिला खड़िया, राजेंद्र पारीक, वसुंधरा राजे, वीरेंद्र सिंह, सुदर्शनसिंह रावत, सचिन पायलट, सुरेंद्र सिंह राठौड़ ने सदन में एक भी सवाल नहीं पूछा।

जयपुर शहर में अगले साल से चलेगी इलेक्ट्रिक बसें

खरीद के बजाए लीज पर 100 बसें लेकर मई-जून से चलाने की तैयारी

जयपुर. कासं

जयपुर धुंआ फेंकती और हांफती बसों से अगले साल लोगों को छुटकारा मिल सकता है। जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लि. (जेसीटीएसएल) ने अगले साल मई-जून से इलेक्ट्रिक बसें चलाने की तैयारी कर ली है। पहले फेज में जयपुर में अगले साल कुल 100 बसें लीज पर लेकर चलाई जाएगी और साल के अंत तक इसे 300 तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। पिछले दिनों जेसीटीएसएल बोर्ड की हुई एक बैठक में यह निर्णय लिया गया। इसका प्रस्ताव तैयार करके सरकार को भिजवाया है। बोर्ड ने भविष्य की जनसंख्या और उसके अनुरूप जरूरतों को देखते

हुए 1000 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन साल 2025 तक करने पर विचार किया है। कंपनी के सीएमडी अजिताभ शर्मा ने बताया कि केन्द्र सरकार की स्कीम के तहत हम बसें लीज पर सीईएसएल कंपनी से लेने की तैयारी कर रहे हैं। 9 मीटर वाली बस में 31 पैसेंजर्स की सिटिंग कैपेसिटी होगी, जबकि 12 मीटर लम्बाई वाली बस में 41 पैसेंजर्स की।

किलोमीटर के हिसाब से तय होगा किराया

एमडी ने बताया कि वर्तमान में हम अभी एक-दो प्राइवेट कंपनियों से मिडी बसें और लो-फ्लोर बसों का संचालन लीज पर करवा रहे है। इन बसों के लिए डीजल जेसीटीएसएल देती है, जबकि बसों में ड्राइवर और बसों का मेंटेनेंस का खर्च कंपनी करती है। इसके पेटे कंपनी को जेसीटीएसएल नॉन एसी 12 और एसी बसों के 17 रुपए किलोमीटर के हिसाब से पैसा देती है। अब जेसीटीएसएल इन डीजल बसों की जगह इलेक्ट्रिक बसों का संचालन करने की तैयारी कर रही है। इसमें बसें, उनका रखरखाव और ड्राइवर कंपनी का होगा। जेसीटीएसएल की तरफ से किलोमीटर के हिसाब से निर्धारित पैसा देगी।

महावीर पब्लिक स्कूल में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

21 दिसंबर बुधवार को प्रातः 11:00 बजे महावीर पब्लिक स्कूल के वर्धमान सभा भवन में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन के मुख्य अतिथि नरेंद्र कुमार जैन (सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश) होंगे।इस समारोह में विद्यालय के कक्षा 12वीं तक के छात्र-छात्राओं को उनकी विभिन्न प्रतिभाओं हेतु सम्मानित किया जाएगा।

आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ने कहा...

जीवन विमल और निर्मल बने

जयपुर. शाबाश इंडिया

वैशाली नगर के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में प्रवासरत आचार्यश्री सुनील सागरजी महाराज ने कहा कि जो तुम्हारी किस्मत में है। उसे कोई छीन नहीं सकता। गुरु आशीर्वाद से वह भी प्राप्त होता है। जो तुम्हारा हो नहीं सकता। अच्छा लेकर भंडार थे।विमल सागर जी पौष बदी बारस के दिन तीर्थराज सम्मेद शिखर से तपकर देवत्व प्राप्त किया। लोगों के लिए मसीहा थे। कहते हैं जीवन में ढेरों संकट परेशानी आए तो घबराओ मत विमल सागर जी के पास ही हल है ।गजब की साधना थी। तपस्वी थे। तपस्या कर के पावर इकट्ठा की और लोगों के दुख मिटाते थे। पूरे भारत के तीन बार यात्रा की। आचार्यश्री ने आगे कहा कि शिखरजी के संरक्षण में बड़ा योगदान रहा विमलसागरजी का। आचार्य श्री महावीरकीर्ति जी के प्रथम शिष्य थे। अगर हम किसी को कुछ नहीं दे सकते तो कम से कम सबको प्यार, स्नेह, वात्सल्य हमारा जीवन भी विमल बने, निर्मल बने। वैशाली नगर महावीर दिगंबर जैन मंदिर कमेटी के दिलीप पाटोदी, राजेश रांवका एवं विपुल जैन ने बताया कि आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन चंद्रप्रकाश अनुराग जैन आयरलैंड वालों ने किया।

सूरज मैदान पर भव्य भागवत कथा ज्ञानयज्ञ शुरू

भागवत श्रमण से नई उर्जा का संचारः जया किशोरी

शुभारंभ पर निकली 251 महिलाओं की कलशयात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

नागरमल पिस्तादेवी मणकसिया चैरिटेबल ट्रस्ट व सुरेश ग्रुप के बैनर तले भव्य श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का शुभारंभ मंगलवार को 251महिलाओं की कलशयात्रा से हुआ। इस दौरान आसपास का क्षेत्र भक्ति, आस्था के रंग में सराबोर नजर अया। ट्रस्ट के अध्यक्ष नागरमल अग्रवाल व सचिव अरविन्द अग्रवाल ने बताया कि भागवत कथा का शुभारंभ आज सुबह 251 महिलाओं की कलशयात्रा सेठी कॉलानी के श्रीराम मंदिर से भव्य लवाजमें के साथ शुरू हुई। बैंडबाजे व बग्गियों के साथ निकली इस कलशयात्रा में ट्रस्ट के अध्यक्ष नागरमल अग्रवाल, सचिव अरविन्द अग्रवाल, ट्रस्ट के सदस्य अनिल अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल व राजेश अग्रवाल भागवत पोथी लेकर चल रहे थे। इस दौरान श्रद्धालू भजनों की मधुर लहरियों पर नाच-गाकर वातावरण को भक्तिमय बना रहे थे। जिन-जिन मार्गों से यह कलशयात्रा गुजरी, वे सभी मार्ग भक्ति के सागर में भीगे नजर आए। यह कलशयात्रा विभिन्न मार्गो से होती हुई कथा स्थल सूरज मैदान पहुंचकर समाप्त हुई, जहां पर भागवत जी की पूजा की गई। इसी दिन दोपहर में खचाखच भरे सूरज मैदान में विश्व विख्यात आध्यात्मिक प्रवक्ता जया किशोरी अपनी ओजस्वी वाणी से श्रद्धालुओं को गणेश पूजन के बाद भागवत महात्म्य व राजा परीक्षित के प्रसंगों पर बोलते हुए कहा कि भागवत कथा श्रमण से मनुष्य के शरीर में नई उर्जा का संचार होता है, साथ ही अभिमान दूर होता है। यदि कथा श्रमण, सत्संग व कीर्तन से अहंकार दूर ना हो तो कथा श्रमण, सत्संग व कीर्तन का कोई अर्थ ही नहीं रह जाता। कथा श्रमण से व्यक्ति का अंहकार तो दूर होता ही है, साथ ही मन में सुखद अनुभुति का अनुभव होता है। क्रोध के बारे में बोलते हुए कथावाचक जया किशोरीजी ने आगे कहा कि जीवन में क्रोध कभी नहीं करना चाहिए। कारण है कि क्रोध करने से व्यक्ति की सोचने-समझने की शक्ति खत्म हो जाती है। जीवन में जब भी क्रोध आए तो जोर-जोर से राधे नाम का उच्चारण करो। राधे नाम के उच्चारण करने से क्रोध कम हो जाता है।इसलिए क्रोध को कम करने के लिए राधे नाम का स्मरण करो। उन्होंने आगे कहा कि प्रभु की दृष्टि में संसार में कोई छोटा-बड़ा, गरीब-अमीर नहीं है। वो केवल आत्मा को देखते है, क्योंकि सारी सृष्टि ही उन्हीं की बनाई हुई है। इसलिए अपनी दृष्टि को प्रभु की भक्ति में लगाइए। इस दौरान जयाकिशोरी ने भगवान के अवतारों व राजा परीक्षित की कथा के प्रसंग सुनाए। इस दौरान जया

किशोरी ने बताओं कहां मिलेंगे श्याम ...जैसे भजनों के माध्यम से खूब भक्ति रस बरसाया। ट्रस्ट के सदस्य अनिल अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल व राजेश अग्रवाल ने बताया कि कथा के दूसरे दिन बुधवार को कपिल भगवान की कथा, जड़ भरत की कथा, शिव पार्वती प्रसंग, 22 को अजामिल की कथा, विश्व रूप चरित्र, गयासुर की कथा व भक्त प्रहलाद की कथा सुनाएंगे। सह सचिव योगेश बिंदल नें बताया कि महोत्सव के तहत 23 दिसम्बर को समुद्र मंथन, वामन अवतार, श्रीराम जन्मोत्सव के बाद श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। कथा प्रसंग के तहत 24 दिसम्बर को भगवान श्रीकृष्ण की बाललीला, गोवर्धन पूजा व 56 भोग की झांकी सजाई जाएगी। 25 दिसम्बर को कंस वध रासलीला, गोपी-उद्धव संवाद रूकमणि विवाह प्रसंग की कथा का वर्णन होगा। महोत्सव के अंतिम दिन 26 दिसम्बर को श्रीकृष्ण अनन्य विवाह, श्रीकृष्ण सुदामा चरित्र सहित अन्य प्रसंगों पर वर्णन होगा। कथा रोजाना दोपहर 1 बजे से साम 5 बजे तक होगी।

दिल्ली से आये केंद्रीय दल ने स्वर्ण भद्र कूट पर साधनारत अंतर्मना गुरुदेव के किए दर्शन और लिया मार्गदर्शन

सम्मेद शिखर. शाबाश इंडिया

शाश्वत तीर्थराज सम्मेद शिखर पर्वत के संरक्षण, संवर्धन एवं वन्य प्राणियों की सुरक्षा के लिए दिल्ली से आये केंद्रीय दल के संजय के. श्रीवास्तव **IFS - Former PCCE** तमिलनाडु, **Dr.** विभु प्रकाश जी वैज्ञानिक फॉरेस्ट पंचकुला, **Dr.** एम. जितराम जी प्रोफेसर डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेस्ट, **Dr.** अमित कुमार जी वैज्ञानिक वाइल्ड लाइफ इंस्टिट्यूट ऑफ इण्डिया व स्थानीय फॉरेस्ट अधिकारियों ने किया पहाड़.का निरिक्षण और अंतर्मना गुरुदेव से भेंट कर आशीर्वाद लिया। विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए लिया मार्गदर्शन। अन्तर्मना गुरुदेव 557 दिन की अखण्ड मौन साधना व्रत में रत है, इसलिए अन्तर्मना केन्द्र सरकार से आये सभी सदस्यों को तीर्थ राज सम्मेद शिखर पर्वत के संरक्षण, सम्वर्धन, सादगी, स्वच्छता, और पर्वत की पवित्रता के लिए विशेष रूप से यह निर्देशित किया कि यह पहाड़.सम्पूर्ण जैन समाज की धड़कन है, श्रद्धा विश्वास और आस्था का केंद्र है। यदि इसकी पवित्रता के साथ, सरकार खिलवाड़ करती है तो जैन समाज को बहुत चोट पहुंचती है। अतः इसके मूलभूत सुविधाएं अस्तित्व के साथ कोई भी परिवर्तन नहीं होना चाहिए। इस तीर्थराज पर्वत को पर्यटन नहीं, तीर्थ की पवित्रता पर ध्यान देने की आवश्यकता है। जैसे वैष्णो देवी, काशी, अयोध्या, मथुरा वृन्दावन तीर्थ है उसी प्रकार शाश्वत तीर्थराज सम्मेद शिखर पर्वत भी पवित्र धर्म तीर्थराज है। आपकी सुविधा देने पर हमारे तीर्थराज सम्मेद शिखर की पवित्रता पर, आशंका असम्भावी है, इसलिए आप से कुछ निवेदन करना चाहता हूं - जैसे सम्पूर्ण पहाड़ ग्रीन क्षेत्र घोषित हो। तीर्थराज पहाड़ प्लास्टिक मुक्त हो, अहिंसा क्षेत्र घोषित हो, औषधियां एवं फल दार वृक्षों का बीजारोपण हो। तीर्थराज पर जो 6-7 झरने हैं, उनका सौन्दर्यीकरण हो। तीर्थराज पर सम्मेद शिखर पर्वत की साफ-सफाई और पवित्रता के लिए यात्रियों में जागरूकता का भाव आये, ऐसी कोई व्यवस्था हो। इन सभी बातों को गुरुदेव ने आकाश जी से लिखित पत्र पढ़वा कर उनको सुनाया। सभी सदस्यों ने ध्यान से सुना और गुरुदेव की भावनाओं को ऊपर तक भेजने की बात कही। सभी सदस्यों ने गुरुदेव के कठिन तप साधना की अनुमोदना की और कहा कि आप जैसे तपस्वी साधु सन्तों से ही यह सब सम्भव होगा। सभी ने गुरुदेव को यह विश्वास दिलाया कि हमसे पहाड़ के संरक्षण, सुरक्षा के लिए जो भी अच्छे से अच्छा होगा हम अवश्य करेंगे। और आपके मार्गदर्शन अनुसार सभी बिन्दुओं पर विचार विमर्श किया जायेगा। यह एक पवित्र धर्म स्थल है, इसे नैनीताल, शिमला, मसूरी, ऊंटी ना बनने दें। अन्यथा जैन समाज आपको कभी माफ नहीं कर पायेगा। यह घूमने फिरने का नहीं बल्कि मन के मैल को धोने का पवित्र पुण्य स्थान है। **नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

महानगर प्रीमियर लीग संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप महानगर द्वारा आयोजित एमपीएल 2022 का भव्य समापन समारोह संपन्न हुआ। टूर्नामेंट में चांदवाड़ के फाईटर ने पुरुषों का और टीम लैवेंडीर्स ने महिलाओं का मुकाबला जीता। यह जानकारी देते हुए ग्रुप अध्यक्ष संजय जैन और सचिव अनुज जैन ने बताया कि टूर्नामेंट में पुरस्कारों की बरसात हुई। अपने शानदार प्रदर्शन के कारण पुरुष वर्ग में प्रयाग जैन और महिला वर्ग में स्वाति जैन को प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट चुना गया। मुख्य संयोजक सुधीर सोनी और दीक्षांत हाडा ने कहा कि इस टूर्नामेंट में विपिन जैन, नवीन जैन जैसे खिलाड़ियों के साथ साथ खुशबू जैन, अमिता जैन और नेहा जैन ने अपने ऑलराउंडी प्रदर्शन से सभी दर्शकों को प्रभावित किया। संयोजक सुदेश गोदिका द्वारा की गयी कमेंट्री को लोगों बहुत सराहा। नॉर्दन रीजन के चेयरमैन इलेक्ट महेंद्र सिंघवी, पूर्व अध्यक्ष डॉ राजीव जैन, वीरेंद्र जैन, रवि जैन, चंद्रशेखर जैन और सिद्दार्थ जैन समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

शाश्वत तीर्थभूमि सम्मेदशिखर जी आस्था केंद्र है : आचार्य श्री सौरभ सागर जी

संस्कार प्रणेता आचार्य श्री सौरभसागर की प्रागैतिहासिक क्षेत्र नवागढ़ में भव्य अगवानी

ललितपुर. शाबाश इंडिया। संस्कार प्रणेता, जीवन आशा के माध्यम से अंग हीनों को अंगप्रदान करने की प्रेरणा देकर जीवन को मंगलमय बनानेवाले आचार्य श्री सौरभ सागर जी महाराज पद विहार करते हुए महरौनी विकासखंड में सोजना के पास स्थित प्रागैतिहासिक दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र नवागढ़ पहुँचे। क्षेत्र की सीमा पर गाजे -बाजे के साथ भव्य अगुवानी श्रद्धालुओं ने श्रद्धा भक्ति के साथ की। रास्ते में श्रद्धालु जयकारा करते हुए चल रहे थे। तीर्थक्षेत्र के पदाधिकारियों द्वारा आचार्यश्री का पाद प्रक्षालन व आरती उतार कर स्वागत किया गया। आचार्यश्री की अगवानी के लिए नवागढ़ गुरुकुलम के बच्चों ने सुंदर रंगोली सजाई। बच्चों ने आचार्यश्री की मंगल आरती की। आचार्यश्री ने मूलनायक अरनाथ भगवान सहित तीर्थक्षेत्र की वंदना की। आचार्यश्री के मंगल आशीर्वाद से यहां संचालित श्रीनगर गुरुकुलम के सभी छात्रों को मंगल आशीर्वाद एवं आगामी जीवन के लिए संदेश प्राप्त हुआ। सभी छात्रों ने व्यसनों से दूर रहते हुए पूर्ण निष्ठा के साथ शिक्षा प्राप्त करने का संकल्प किया। क्षेत्र के निर्देशक ब्रह्मचारी जय कुमार निशांत भैया ने नवागढ़ तीर्थक्षेत्र की ऐतिहासिकता से परिचय कराया एवं यहाँ स्थित प्राचीन पुरा वैभव की मूर्तियों की जानकारी दी।

वेद ज्ञान

भीतर खुशी, अपनी संतुष्टि ही नैसर्गिक खुशी होती है

भीतर की अपनी खुशी, अपनी संतुष्टि ही नैसर्गिक खुशी होती है। इसकी तैयारी भीतर से ही करनी होती है। इस खुशी के रहते हुए कोई बाहर का तत्व हमें दुखी नहीं बना सकता। भीतर की जो वास्तविक खुशी है वह कुएं के पानी के उस अनवरत स्नोत की तरह है जो जमीन के अंदर से आता है। कुएं के पानी की तरह अंदर से निकला खुशी का निर्मल झरना आत्मा, हमारे तन-मन और समूचे जीवन को आनंदित कर देता है। निरंतर बहने वाले इस खुशी के स्नोत को अगर कोई रोकता है तो वह हैं-हमारे मन में बसे सक्रिय दुर्गुण और वासनाएं। हम बाहर से कितने ही अच्छे काम कर लें, लेकिन अगर भीतर से खुश रहने के लिए तैयार नहीं हैं तो अच्छे से अच्छा काम भी यंत्र-वत बनकर रह जाएगा। यदि हम भीतर से खुश रहने के लिए तैयार हैं तो फिर हमारा हर काम अपने आप में अनूठा होगा, आनंददायी होगा। बाहरी खुशी ऊपर रखी टंकी का वह पानी है जो रोज भरा जाता है और रोज टंकी खाली हो जाती है। टंकी में डाला गया पानी इंद्रियों द्वारा भोगे जाने वाले सांसारिक भोग-विलास हैं। इंद्रियां इन्हीं बाहरी पदार्थों से सुख चाहती हैं, लेकिन बाहरी पदार्थ से कभी वास्तविक खुशी न किसी को मिली है न मिलेगी। इन्हें तो रोज भरना खाली होते रहना है। अपनी खुशी दूसरों में खोजने वाले लंबे समय तक जीवन-यात्रा नहीं कर पाते हैं, लेकिन संसार में रहना है तो दूसरों के बिना जीवन कट भी नहीं सकता। सुख मिले या दुख, संबंध तो निभाने पड़ते ही हैं। एक बार अगर हमने अपने भीतर की खुशी को जान लिया है तो खुशी हमारी मुट्ठी में है। हम सभी चाहते हैं कि कैसे भी, किसी भी प्रकार से खुशी मिल जाए। विभिन्न प्रकार के वर्कशॉप, आयोजन, महोत्सव किए जाते हैं, लेकिन खुशी कोई आयातित बाहरी पदार्थ नहीं है। यह तो हमारी मानसिक अवस्था है, हमारी सोच की दिशा है। यही दिशा जब सकारात्मक होती है तो खुशी में बदल जाती है। बाहर से प्राप्त खुशी वास्तविक न होकर अस्थाई रूप से प्राप्त खुशी की प्रतिछाया होगी। उस व्यक्ति या परिस्थिति जिससे हमने यह प्रतिछाया प्राप्त की है, के हटते या अलग होते ही वह खुशी भी हमसे दूर हो जाएगी।

संपादकीय

आज भी गरीब परिवारों के बच्चे भारी तादाद में स्कूलों से बाहर

देश में शिक्षा की सूरत में सुधार के लिए सरकारों ने समय-समय पर अनेक कदम उठाए और समाज के सभी तबकों तक पढ़ाई-लिखाई की पहुंच बनाने के लिए विशेष नियम-कायदे बनाए। मगर सच यह है कि तमाम कानूनी प्रावधानों के बावजूद आज भी गरीब परिवारों के बच्चे भारी तादाद में स्कूलों से बाहर हैं। अगर आर्थिक रूप से कमजोर कोई परिवार अपने बच्चे को अच्छी शिक्षा मुहैया करने की इच्छा से निजी स्कूल में दाखिला कराना चाहता है तो उसकी राहों में कई तरह की बाधाएं खड़ी हो जाती हैं। ऐसा उन निजी

स्कूलों की ओर से भी किया जाता है, जिनके लिए बाकायदा कानूनी तौर पर इस नियम को पालन करना जरूरी बनाना गया है कि वे अपने यहां कुल दाखिलों में कुछ खास हिस्सा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए सुरक्षित रखेंगे। गरीब बच्चों को दाखिले से वंचित करने के ऐसे लगातार मामलों को देखते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने अपने एक आदेश में साफतौर पर कहा कि निजी स्कूलों को पच्चीस फीसद सीटों पर कम आय वर्ग के बच्चों को दाखिला देना ही होगा। सुनवाई के दौरान अदालत ने साफतौर पर कहा कि उन स्कूलों की मान्यता रद्द करने की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए, जो शिक्षा का अधिकार कानून के उल्लंघन में लिप्त पाए गए हैं। सवाल है कि शिक्षा का अधिकार यानी आरटीई अधिनियम के लागू होने के करीब बारह साल बाद भी यह स्थिति क्यों है कि किसी अदालत को यह याद दिलाना पड़ रहा है कि इस कानून का उल्लंघन हो रहा है और सरकार इसे सख्ती से लागू करने के लिए जरूरी कदम उठाए। आरटीई कानून के प्रावधानों के मुताबिक कक्षा में घोषित कुल सीटों में से पच्चीस फीसद पर आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित समूहों के बच्चों को दाखिला मिलना चाहिए। लेकिन अगर निजी स्कूलों में इस नियम का खुला उल्लंघन हो रहा है तो इसकी वजह क्या है और सरकार को इतने गंभीर मामले पर अपनी ओर से सक्रिय होना और समय पर कार्रवाई करना क्यों जरूरी नहीं लगा? ऐसे में अदालत ने उचित ही निजी स्कूलों के साथ-साथ दिल्ली सरकार को भी फटकार लगाई और शिक्षा का अधिकार कानून पर अमल के लिए सख्ती बरतने को कहा। अदालत की यह टिप्पणी अहम है कि देश आज 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है, मगर सामाजिक और आर्थिक स्वतंत्रता अभी हमसे दूर है; अब वक्त आ गया है कि न्यायपालिका लोगों तक पहुंचे, न कि लोगों के इसके दरवाजे पर पहुंचने का इंतजार किया जाए, क्योंकि गरीब बच्चों को शिक्षा के मौलिक अधिकार का लाभ उठाने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाने को मजबूर किया जा रहा है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

वार्ता ही रास्ता...

भारत ने एक बार फिर रूस को समझाने का प्रयास किया है कि यूक्रेन के संदर्भ में बातचीत और कूटनीति ही आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है। यह बात प्रधानमंत्री ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बातचीत के दौरान कही। उन्होंने जी-20 की अध्यक्षता मिलने के बाद अपनी प्राथमिकताओं से अवगत कराने और ऊर्जा, रक्षा और व्यापार के क्षेत्र में समीक्षा के लिए औपचारिक बातचीत की थी। इससे दो बातें स्पष्ट हुईं। एक तो यह कि भारत और रूस के संबंधों में किसी तरह की खटास नहीं है। इसलिए पिछले दिनों वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री के इस बार न जाने को लेकर जो अटकलें लगाई जा रही थीं, उनके कोई गहरे निहितार्थ नहीं हैं। फिर यह कि भारत का सरोकार रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर बना हुआ है और वह चाहता है कि किसी भी तरह बातचीत के जरिए इसका समाधान निकाला जाए। जबसे रूस ने यूक्रेन पर हमला किया है, विभिन्न मौकों पर प्रधानमंत्री ने रूस और यूक्रेन दोनों को युद्ध का रास्ता त्याग कर बातचीत की मेज पर बैठने की सलाह दी है। शंघाई शिखर सम्मेलन के दौरान भी जब वे पुतिन से मिले तो यही सलाह दी थी कि वे बातचीत के जरिए समाधान निकालें। तब पुतिन ने उनकी सलाह पर अमल करने का भरोसा भी दिलाया था। रूस-यूक्रेन युद्ध को लगभग दस महीने होने आए। इसकी वजह से पूरी दुनिया की आपूर्ति शृंखला बाधित हो गई है। खासकर भारत जैसे देश, जो ईंधन और खाद्य तेलों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर हैं, उन्हें खासी परेशानी झेलनी पड़ रही है। महंगाई पर काबू पाना पहले ही तमाम देशों के लिए मुश्किल बना हुआ है, उसमें युद्ध की वजह से आपूर्ति शृंखला बाधित होने से दोहरी मार पड़ रही है। इसलिए रूस-यूक्रेन संघर्ष पर विराम न केवल भारत, बल्कि दुनिया के सारे देशों के हित में है। चूंकि इन दोनों देशों से भारत के रिश्ते मधुर हैं, इसलिए सबकी नजर उसी पर टिकी रहती है कि वही इस मामले में हस्तक्षेप करके कुछ सकारात्मक नतीजे ला सकता है। फिर भारत सदा से युद्ध के खिलाफ और वार्ता के जरिए समस्याओं का समाधान निकालने का पक्षधर रहा है, इसलिए वह लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करते हुए रूस-यूक्रेन संघर्ष को रोकने का लगातार प्रयास करता आ रहा है। हालांकि देखने की बात है कि रूस भारत की सलाह पर कितना और कब अमल करता है। इससे पहले जितनी बार भारत ने युद्ध रोकने और बातचीत से हल निकालने की सलाह दी है, कभी न तो रूस ने और न यूक्रेन ने उस पर कोई एतराज जताया है। मगर बाद में रूस ने अपने हमले बढ़ा दिए हैं। दरअसल, युद्ध एक प्रकार की सनक होती है, जिसमें हमला करने वाला जानता तो है कि युद्ध मानवता के लिए अच्छी चीज नहीं है, मगर वह अपनी मूंछ ऊंची रखने के लिए करता वही है, जो उसने ठान रखा है। इसलिए रूस भारत की सलाह सुन तो लेता है, मगर अभी तक उस पर गंभीरता से विचार करता नहीं देखा गया। यूक्रेन भी कहां झुकने को तैयार है। इसी जिद में वह अपना बहुत कुछ गंवा चुका है। उसकी भरपाई में बहुत वक्त लगेगा। ऐसे में मानवता की रक्षा के लिए भी इन दोनों देशों के बीच के संघर्ष को रोकना बहुत जरूरी है। मगर टेलीफोन पर या सम्मेलनों आदि में मिलने पर दी गई ऐसी सलाहें शायद ही कारगर साबित हों।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति का "आओ चलें बचपन की ओर" कार्यक्रम

सदस्यों ने उमंग व उत्साह से जिया बचपन। मंजू-कमल ठोलियां को रीजन द्वारा आयोजित डान्स के सितारे में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति का मनोरजक कार्यक्रम ''**आओ चलें बचपन की ओर**'' कार्यक्रम प्रातः 10 से सायकाल 5 बजे तक उल्लास पूर्ण वातावरण मे आयोजित किया गया। ग्रुप अध्यक्ष राकेश-समता गोदिका ने बताया कि कार्यक्रम सोगानी एम्पायर न्यू सांगानेर रोड पर आयोजित किया गया। ग्रुप सचिव अनिल - प्रेमा रावका के अनुसार कार्यक्रम मे सभी लोकप्रिय पुराने खेल जो हम बचपन मे खेलते थे जैसे :- रुमाल झपटा, नीबू दौड़, कार्ड गेम, कंचे आदि खेल खिलाये गये। वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष- शोभना लोंग्या ने बताया कि कार्यक्रम मे प्रमुख समाजसेवी विनय- स्नेहलता सोगानी तथा अशोक- बबिता सोगानी की गौरवमय उपस्थित रही तथा उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया। ग्रुप सयुंक्त सचिव राजेश रितु - छाबड़ा तथा राकेश -रेणु संघी के अनुसार कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनामिका - चेतन पापड़ीवाल, प्रदीप- प्राची जैन, कुसुम- राजेंद्र जैन, चक्रेश- पींकी जैन तथा सह संयोजक विमल- शिमला लुहाड़िया, नितेश- मीनू पांडया, विनीता- अनुपम जैन, सरिता- राजकुमार गोधा थे। कार्यक्रम मे मंच संचालन चक्रेश जैन ने किया। कोषाध्यक्ष अनिल - अनीता जैन के अनुसार कार्यक्रम मे बच्चो को भी मनोरंजक गेम खिलाये गये थे। कार्यक्रम मे श्रीमती मंजू - कमल ठोलियां का रीजन द्वारा आयोजित डान्स के सितारे कार्यक्रम मे प्रथम स्थान प्राप्त करने पर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वे उज्जैन मे 7 जनवरी 2023 को फेडरेशन स्तर पर होने वाले कार्यक्रम मे रीजन का प्रतिनिधित्व करेंगी। सभी ने कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया तथा सभी संयोजकों को सुंदर व व्यवस्थित आयोजन के लिए बधाई व धन्यवाद दिया।

गुलाबीनगर ग्रुप का वर्ष 2022 का विदाई कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया। गुलाबीनगर ग्रुप का वर्ष 2022 का विदाई कार्यक्रम होटल G- GOPALA में 18 दिसम्बर को आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक देवेंद्र -चित्रा व कैलाश - शशि पाटनी ने बहुत शानदार हाऊजी व गेम खिलाया। कार्यक्रम में 50 वी शादी की सालगिरह नरेंद्र- विनिया व प्रकाश-कांता पाटनी का शाल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। सुनील बज अध्यक्ष ने बताया कि 2023 माह फरवरी के अंतिम सप्ताह में 6 रात 7 दिन का कश्मीर जाने का प्रोग्राम है जो भी सदस्य जाने के इच्छुक हो व अपना नाम श्रीमती सुशीला बड़जात्या को लिखा दें। वर्ष 2023 में गिरनार जी धार्मिक यात्रा का प्रोग्राम है। रीजन की डांस 3 के सितारे प्रतियोगिता में ग्रुप की सदस्य श्रीमती कुसुम छाबडा व उसकी बहुरानी श्रीमती प्रिया जैन भाग लिया व ग्रुप ने उनका स्वागत किया। विनोद बड़जात्या सचिव ने बताया कि नववर्ष 2023 का कार्यक्रम जनवरी 2023 के अंतिम सप्ताह में आयोजित होगा।जो सदस्य उस दिन ग्रुप की वार्षिक राशि 6000/-जमा करायेगा, उसे विशेष पारितोषिक दिया जायेगा।

तहसील की पहली आंगनबाड़ी केंद्र होगी जिसमें बच्चे डिजिटल स्लेट से पढ़ाई करेंगे

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन समाज सुजानगढ़ निवासी जयचन्दलाल, सुभाषचंद सोगानी परिवार के सौजन्य से सुजलांचल विकास मंच समिति के तत्वावधान में स्थानीय आंगनबाड़ी केंद्र वार्ड संख्या 22 (नया 31) सरावगी मोहल्ला में स्कूल बैग,वाटर बोटल, टिफिन, डिजिटल स्लेट जरूरतमंद विद्यार्थियों को वितरित किये गए। समाजसेविका श्रीमती कमला देवी बगड़ा की अध्यक्षता में आयोजित हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपखंड अधिकारी मूलचंद लूनिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थियों को अनुशासन, समय की प्रतिबद्धता, कठोर मेहनत के साथ शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़कर देश और समाज का नाम रोशन करना चाहिए व सोगानी परिवार समिति द्वारा समय समय पर जन हितार्थ सामाजिक कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। समिति की अध्यक्ष उषा बगड़ा अपने संबोधन में कहा कि चिकित्सा शिविर के माध्यम से जरूरतमंदों रोगियों की मदद व आमजन हेतु निशुल्क ऑक्सीजन सिलेंडर, व्हील चेयर, हाइड्रोलिक बेड इत्यादि सेवा नगर में काफी समय से अनवरत जारी है। व शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न विद्यालयों में बैग वितरण, वाटर कूलर लगवाकर समिति अपने सामाजिक दायित्व का निर्वाहन कर रही है। उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद पाटनी ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में राजकीय प्राथमिक विद्यालय वार्ड नं 10 के समस्त बच्चो को स्वेटर वितरित किए गए। महिला बाल विकास अधिकारी गौरव चौधरी ने समिति के सेवा कार्यों की सराहना की व प्रस्तुत सहयोग के लिए समिति का आभार व्यक्त करते हुए कहा की डिजिटल स्लेट से पढ़ने वाली नगर की पहली आंगनबाड़ी केंद्र है।इससे बच्चो को नई तकनीक से पढ़ाई हो सकेगी।

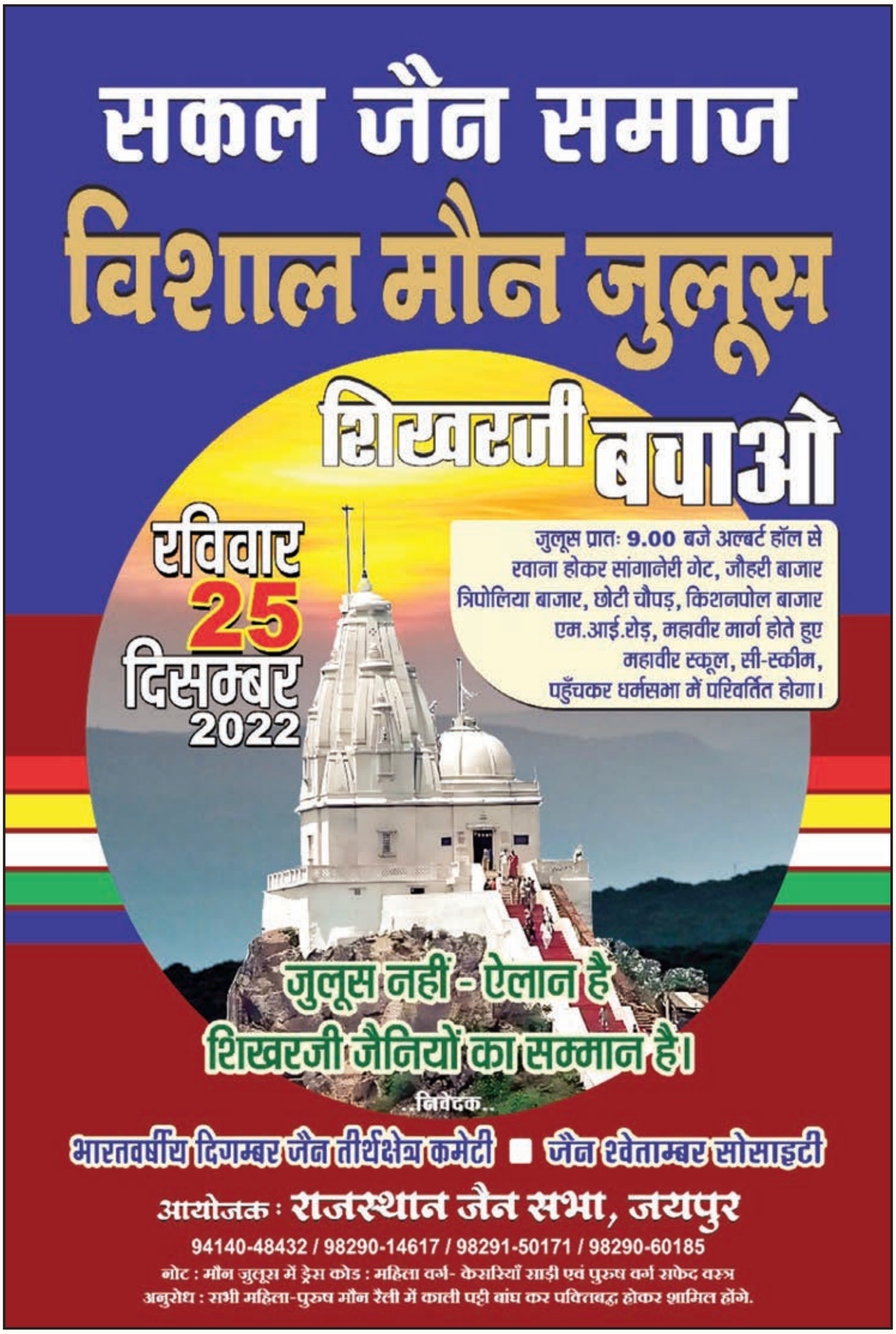

साधनों में नहीं साधना में सुख है : आचार्यश्री सुनील सागर जी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

वैशाली नगर के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में प्रवासरत आचार्यश्री सुनील सागरजी महाराज से मुंबई से आए गोल्डन बॉयज नमन पचैरी ने आशीर्वाद प्राप्त किया।इस मौके पर भजन संध्या में रुचिता जैन व सरिता सोनी की एक लघु नाटिका प्रस्तुत की गई,जो सभी को पसद आई। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्यश्री ने कहा कि साधनों में नहीं साधना में सुख है। परमात्मा चंद्रप्रभु और पारसनाथ भगवान का जन्म कल्याणक और तप कल्याणक महोत्सव है। महान आत्माएं महान कार्य करती है। महान तप करके परमात्मा पद पर आसीन हुए। आर्थिक स्थिति जैसी भी हो जीने का आनंद तभी आ सकता है। जब मन कि स्थिति मजबूत हो। भाव सहित बंदे जो कोई ताहे नर्क पशुपति नहीं होई। आचार्यश्री ने आगे कहा कि एक-एक टोंक के दर्शन करने से कोटि-कोटि उपवास का फल मिलता है। वह तो करोड़ों की प्रॉपर्टी से भी ज्यादा मूल्यवान है। पर्यटक स्थल बनाने के लिए विरोध करें तीर्थों को पर्यटक स्थल नहीं बल्कि पर्यटक स्थलों को तीर्थ बनाने का प्रयास करें ।तीर्थंकरों ने जाना साधनों में सुख नहीं सुख तो साधना में है ।यह मनुष्य भव हमें उलझने के लिए नहीं बल्कि समझने के लिए मिला है। सम्मेद शिखरजी के पूर्व में चन्दप्रभु टोंक और पश्चिम में पाश्र्वनाथ टोंक पर विराजमान है। कोषाध्यक्ष हरीश जैन एवं दीपक जैन ने बताया कि धर्मसभा से पूर्व आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन नवल कुमार अभिषेक पाटनी परिवार ने किया गया। कमेटी के नवीन सेठी एवं विशाल जैन लाडनूं ने बताया कि इस मौके पर परम पूज्य चतुर्थ पट्टाधीश आचार्य श्री सुनीलसागरजी गुरुदेव के मंगल सानिध्य में विश्व णमोकर मंत्र दिवस भी मनाया गया। श्रावको ने णमोकर मंत्र का पाठ कर इस दिन को मनाया।

दिगम्बर जैन महासमिति सांगानेर संभाग

सर्वसम्मति से निर्विरोध कैलाश चंद जैन मलैया बने अध्यक्ष

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन मंदिर (संघी जी) सांगानेर के विशाल सभागार में दिगम्बर जैन महासमिति सांगानेर संभाग के अध्यक्ष पद के चुनाव सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी डॉ. णमोकार जैन एवं चुनाव पर्यवेक्षक सुनील कुमार बांसखो ने बताया कि सर्वसम्मति से निर्विरोध कैलाश चंद जैन मलैया को अध्यक्ष पद हेतु घोषित किया। इसी समय मलैया जी का भव्य स्वागत चुनाव अधिकारी एवं पर्यवेक्षक ने किया। सभी समागत सदस्यों ने एवं इकाई अध्यक्ष और मंत्रियों ने भी स्वागत किया। तदुपरान्त अध्यक्ष महोदय के द्वारा डॉ. अरविन्द कुमार जैन को मंत्री, अशोक कुमार पापड़ीवाल को उपाध्यक्ष, प्रवीण कुमार जैन को कोषाध्यक्ष, अशोक पाटनी को युवा प्रकोष्ठ मंत्री और श्रीमती हीरा देवी पाटनी को महिला प्रकोष्ठ मंत्री के रूप में मनोनीत किया गया ।जिसे सभी सभागार में उपस्थित संरक्षक, विशिष्ट मनोनीत सदस्यों और इकाई अध्यक्ष/मंत्रियों ने अपनी

सहर्ष सहमति प्रदान की। यह चुनाव बहुत ही आदर्श एवं समाज के लिए दिशा बोधक रहा। इसी अवसर पर श्री सुरेन्द्र कुमार बड़जात्या इटली डोसा वालों के जन्म दिवस को बड़ी शालीनता एवं सादगी के साथ मनाया गया तथा सभी ने उन्हें बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाऐं दी। इन्हीं के द्वारा सहभोज कराया गया।

डॉ हर्षिता जैन को बेस्ट फीमेल स्मार्ट गर्ल ट्रेनर अवॉर्ड से नवाजा गया

सूरत. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर यूनिवर्सिटी, सूरत की ट्रस्टी व दिल्ली मूल की निवासी तथा सूरत प्रवासी डॉ हर्षिता जैन को भारतीय जैन संघटना की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सम्मिलित किया गया है। डॉ हर्षिता जैन को उदयपुर में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में संगठन के संस्थापक शान्तिलाल मुथा व नव निर्वाचित अध्यक्ष राजेन्द्र लुंकड़ की उपस्थिति में बी जे एस की नवगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शपथ दिलाई गई। उल्लेखनीय है कि डॉ हर्षिता जैन दिल्ली में इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर के रूप में सेवाएं प्रदान कर चुकी है तथा बी जे एस की गुजरात के स्मार्ट गर्ल प्रॉजेक्ट की राज्य प्रभारी है व आपके नेतृत्व में सम्पूर्ण गुजरात मे स्मार्ट गर्ल प्रॉजेक्ट की 263 सेमिनार हुई है व कुल 14,339 लड़कियां प्रशिक्षित हुई हैं। डॉ हर्षिता जैन को उदयपुर में आयोजित बी जे एस के राष्ट्रीय अधिवेशन में स्मार्ट गर्ल प्रॉजेक्ट के अंतर्गत बेस्ट फीमेल स्मार्ट गर्ल ट्रेनर अवॉर्ड से भी नवाज गया।

'जेंडर सेंसिटाइजेशन' विषय पर युवाओं से संवाद कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित वाणिज्य महाविद्यालय में राजस्थान यूनिवर्सिटी वीमेन एसोसिएशन की ओर से 'जेंडर सेंसिटाइजेशन' विषय पर युवाओं से संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। रूवा अध्यक्ष प्रो दमयंती गुप्ता ने अपने वक्तव्य में 'जेंडर' को सामाजिक- सांस्कृतिक निर्मिति बताते हुए पितृसत्तात्मक समाज में स्त्री की दोयम स्थिति पर विस्तार से बातें कीं ।उन्होंने कहा कि आज जरूरत है समाज की रूढ़ धारणाओं को तोड़कर एक प्रगतिशील समाज में स्त्री की स्वस्थ छवि को आत्मसात करने की, तभी हम लैंगिक असंतुलन को खत्म कर पायेंगे।समाज के समग्र विकास के लिए स्त्री - पुरूष की बराबरी का लक्ष्य हासिल करना बेहद जरूरी है तथा स्त्री के खिलाफ होने वाले अत्याचारों,

अपराधों को खत्म करके ही यह संभव हो पाएगा ।रूवा की सचिव डॉ. निक्की चतुर्वेदी ने संवाद कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए संक्षेप में जेंडर संवेदीकरण के विभिन्न तौर-तरीकों और आधारभुत मुद्दों से युवाओं को परिचित कराया ।इस क्रम में महाविद्यालय के छात्रों ने स्त्री-पुरूष के जेंडर की प्रकृति, उसमें विभेद के कारकों, स्त्री संबंधी रूढ़ धारणाओं, गांव, नगर से लेकर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में स्त्री के साथ होने वाले भेदभाव, शिक्षा - खेल - राजनीति, सोशल मीडिया से लेकर वित्त - प्रबंधन आदि क्षेत्रों में स्त्री की स्थिति एवं हिस्सेदारी आदि मुद्दों पर न केवल सवाल पूछे, बल्कि अपने अनुभव एवं विचार भी साझा किये। छात्रों के सवालों के रूवा के पदाधिकारियों एवं परामर्शदाताओं ने जवाब देते हुए जेंडर संवेदीकरण के विभिन्न आयामों और उसके महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर रूवा की पूर्व अध्यक्ष प्रो. बीना अग्रवाल, प्रो. लाड कुमारी जैन, रूवा की कार्यक्रम समन्वयक प्रो. प्रेरणा पुरी, डॉ. सरोजिनी, डॉ. अलका राव ने भी विचार व्यक्त किये।महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. दिलीप सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा उप-प्राचार्य प्रो. ममता जैन ने कुशल संचालन किया। आभार प्रो. प्रेरणा पुरी ने व्यक्त किया। संवाद कार्यक्रम में महाविद्यालय के उप-प्राचार्य प्रो. नरेश कुमार, डॉ. एम. एल. वसीटा, डॉ. अनूप कुमावत, प्रो. प्रकाश शर्मा सहित संकाय सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्रों ने शिरकत की ।

तीर्थराज सम्मेद शिखर के सम्बन्ध में जल्द होगा निर्णय

झारखंड के सी एम हेमंत सोरेन से समग्र जैन समाज, भारत के प्रतिनिधियों की हुई भेंट

राँची, झारखंड / कोटा. शाबाश इंडिया। समग्र जैन समाज ,भारत के अध्यक्ष राकेश जैन (मडिया) कोटा वालों के नेतृत्व में संसद भवन दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से हुई भेंट में झारखंड के मुख्यमंत्री से हुई वार्ता के क्रम में समग्र जैन समाज, भारत के परामर्शदाता डॉ. निर्मल जैन जयपुर एवं गुणायतन ट्रस्टी सुभाष जैन, सुनिल जैन हजारीबाग, नवनीत सोगानी जयपुर सहित समाजबंधुओं ने आज झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से राँची स्थित विधानसभा में तीर्थराज सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल घोषित किए जाने के सम्बन्ध में समग्र जैन समाज भारत का ज्ञापन सौपते हुए समाज की भावनाओं से अवगत करवाया।

काला ने राहुल गांधी को पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की तस्वीर भेंट की

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारत जोड़ो यात्रा के सिकंदरा आगमन पर राजस्थान उच्च न्यायालय व विधि विभाग के पूर्व अध्यक्ष रूपिन काला ने राहुल गांधी से भेंट की ।रूपिन काला व सवाई सिंह ने राहुल गांधी को उनके पिता पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी व सोनिया गांधी जी के वर्ष 1985 में राजस्थान आगमन की एक तस्वीर भेंट की । काला व सवाई सिंह से तत्समय जैसलमेर के प्रधानमंत्री के आगमन के संबंध में राहुल गांधी से चर्चा भी की। खाद्धी विषयों पर भी काला ने राहुल गांधी से विस्तृत चर्चा की। राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा के सिकंदरा से अलवर रास्ते के मध्यान्ह के समय गणमान्य व्यक्तियों को चर्चा हेतु आमंत्रित किया था । उक्त चर्चा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, राज्य सभा सदस्य जयराम रमेश, राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा व राज्य मंत्री महेश जोशी उपस्थित रहे। राहुल गांधी ने विभिन्न विषयों पर आमंत्रित व्यक्तियों से तकरीबन एक घंटा सौहार्दपूर्ण वातावरण में चर्चा की।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

आज से सूरज मैदान पर भागवत सुनाएगी जया किशोरी

जयपुर पहुंचने पर जया किशोरी का भव्य स्वागत, कलश यात्रा से होगा शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

नागरमल पिस्तादेवी मणकसिया चैरिटेबल ट्रस्ट व सुरेश ग्रुप के बैनर तले आगामी मंगलवार आदर्श नगर के सूरज मैदान पर भव्य भागवत कथा महाराज श्री त्रिवेणीधाम व श्री शुक संप्रदाय आचार्य पीठाधीषश्वर श्री अलबेली माधुरी शरण जी महाराज की पावन प्रेरणा व सानिध्य में शुरू होगी। 26 दिसम्बर चलने वाले इस महोत्सव में विश्व विख्यात आध्यात्मिक प्रवक्ता जया किशोरी अपनी ओजस्वी वाणी से श्रद्धालुओं का भागवत कथा का रसपान कराएंगी। ट्रस्ट के अध्यक्ष नागरमल अग्रवाल व सचिव अरविन्द अग्रवाल ने बताया कि इस आयोजन के लिए विश्व विख्यात आध्यात्मिक प्रवक्ता जया किशोरी सोमवार को देर रात सेठी कॉलोनी स्थित

ए-9-10 नारायण निवास पहुंची,जहां पर भागवत कथाचाचक का आयोजकों की ओर से ट्रस्ट के अध्यक्ष नागरमल अग्रवाल व सचिव अरविन्द-मंजू अग्रवाल,अनिल अग्रवाल - सरोज अग्रवाल,सुनील अग्रवाल - किरण अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल - गायत्री अग्रवाल, सह सचिव योगेश बिन्दल, राजेश अग्रवाल के अलावा कुणाल अग्रवाल,अनुभव अग्रवाल, रजत अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, लविश अग्रवाल व पार्थ अग्रवाल ने स्वागत किया।